भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1124
शुक्रवार, 22 नवम्बर, 2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

गंगा के तलछट (फैन) संबंधी अध्ययन

1124. श्रीमती लॉकेट चटर्जीः

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने गंगा के तलछट (फैन) से संबंधित कोई अध्ययन शुरू किया है जो पानी के भीतर पृथ्वी का सबसे बड़ा तलछट है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार इसमें जीवाश्म ईंधन की मौजूदगी का अध्ययन करने की योजना बना रही है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने इन संसाधनों के दोहन करने का कोई तरीका ढूंढ़ा है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(डॉ. हर्ष वर्धन)

(क) जी, हाँ। राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान ने बंगाल फैन के बारे में भूवैज्ञानिक एवं भू-भौतिकीय अन्वेषण किए हैं और एक मुक्त वायु गुरुत्वाकर्षण मानचित्र तैयार किया है।

(ख) जी, हाँ। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का "गैस हाइड्रेट खोज एवं इसके विदोहन हेतु प्रौद्योगिकी विकास अध्ययन" पर एक कार्यक्रम जारी है इसमें कृष्णा-गोदावरी और महानदी घटियाँ शामिल हैं जो गांगेय फैन का पश्चिमी हिस्सा हैं। इन घाटियों में गैस हाइड्रेट की पहचान की गई है। राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान गोवा, राष्ट्रीय भू-भौतिकीय अनुसंधान केन्द्र हैदराबाद और राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान चेन्नई इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन में शामिल हैं।

(ग) जी, नहीं। वैश्विक गैस हाइड्रेट संसाधन की खोज अनुसंधान एवं विकासात्मक चरण में है तथा मौजूदा कार्यक्रम का बल व्यवहार्यता अध्ययनों द्वारा खोज (टैपिंग) के दृष्टिकोण से इस संसाधन को समझने के लिए क्षमता निर्माण पर है।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

******